Daily Gospel Reflections in Hindi

07 September 2019

लूकस 21:5-6, 20-24

The fall of Jerusalem

आज के सभी वचनों में येरूसलेम का पतन एवं संसार के अंत को पहचानने वाले चिन्हों को प्रस्तुत करता है। येसु मसीह का द्वित्यीय आगमन सभी ख्रीस्तीयों को एक आशा का किरण स्थापित करता है। ख्रीस्तीय जीवन शांति का एक जीवन है। जो आत्मिक शांति हम पाये हैं, उसे इस दुनियां के हर–एक जन के साथ बाँटना भी हमारी जिम्मेदारी है।

हम प्रार्थना करें, जब भी बुराई एवं दुःख दर्द हमारी परीक्षा लेती है, तब हम विश्वास में अपने जीवन को आगे बढ़ा सके। संत अगस्टिन कहता है "हमारे ईश्वर सर्वसक्मिान एवं एक प्रेम रूपी ईश्वर है। क्योंकि वह हर एक दुःख दर्द में भी एक अच्छाई को उत्पन्न करता है।"

संत लूकस अपनी कलीसीया के विश्वासियों को निडर रहकर विश्वास को ऊंचा रखने के लिए लिखा है। आज ये पक्तियाँ हम सभी को आशा प्रतिक्षाओं में न खोने के लिए, दुःख–दर्द में न टूटने के लिए प्रेरित करता है।

दुनियाँ के हर–एक ख्रीस्तीय लोगों के लिए प्रार्थना करें।

Rev. Fr. Santo Pullan

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019